

Shri Durga Dvattrimshat Namavali

The thirty-two names of Durga

माँ दुर्गा के बत्तीस नाम

Thirty-two names of the Goddess for times of difficulty and fear. The full text comes first for unbroken recitation, then each verse with its meaning in English and Hindi.

The full text सम्पूर्ण पाठ

श्रीदुर्गाद्वात्रिंशन्नामावलि:

दुर्गा दुर्गार्तिशमनी दुर्गापद्मनिवारिणी ।
दुर्गमच्छेदिनी दुर्गसाधिनी दुर्गनाशिनी ॥ १ ॥
दुर्गतोद्धारिणी दुर्गनिहन्त्री दुर्गमापहा ।
दुर्गमज्ञानदा दुर्गदैत्यलोकदवानला ॥ २ ॥
दुर्गमा दुर्गमालोका दुर्गमात्मस्वरूपिणी ।
दुर्गमार्गप्रदा दुर्गमविद्या दुर्गमाश्रिता ॥ ३ ॥
दुर्गमज्ञानसंस्थाना दुर्गमध्यानभासिनी ।
दुर्गमोहा दुर्गमगा दुर्गमार्थस्वरूपिणी ॥ ४ ॥
दुर्गमासुरसंहन्त्री दुर्गमायुधधारिणी ।
दुर्गमाङ्गी दुर्गमता दुर्गम्या दुर्गमेश्वरी ॥ ५ ॥
दुर्गभीमा दुर्गभामा दुर्गभा दुर्गदारिणी ।
नामावलिमिमां यस्तु दुर्गाया मम मानवः ॥ ६ ॥
पठेत् सर्वभयान्मुक्तो भविष्यति न संशयः ।
शत्रुभिः पीड्यमानो वा दुर्गबन्धगतोऽपि वा ।
द्वात्रिंशन्नामपाठेन मुच्यते नात्र संशयः ॥ ७ ॥
॥ इति दुर्गाद्वात्रिंशन्नामावलिः समाप्ता ॥

The full text in Roman letters रोमन लिपि में पाठ

With diacritics, as a guide to pronunciation.

*durgā durgārtiśamanī durgāpadvinivāriṇī |
durgamacchedinī durgasādhinī durganāśinī || 1 ||*

*durgatoddhāriṇī durganihantrī durgamāpahā |
durgamajñānadā durgadaityalokadavānalā || 2 ||*

*durgamā durgamālokā durgamātmavarūpiṇī |
durgamārgapradā durgamavidyā durgamāśritā || 3 ||*

*durgamajñānasaṁsthānā durgamadyābhāsinī |
durgamohā durgamagā durgamārthavarūpiṇī || 4 ||*

*durgamāsurasaṁhantrī durgamāyudhadhāriṇī |
durgamāṅgī durgamatā durgamāyā durgameśvarī || 5 ||*

*durgabhīmā durgabhāmā durgabhā durgadāriṇī |
nāmāvalimīmāṇi yastu durgāyā mama mānavah || 6 ||*

*paṭhet sarvabhayānmukto bhaviṣyati na saṁśayaḥ |
śatrubhiḥ pīḍyamāno vā durgabandhagato'pi vā |
dvātriṁśannāmapāṭhena mucyate nātra saṁśayaḥ || 7 ||*

|| iti durgādvātriṁśannāmāvaliḥ samāptā ||

About this text परिचय

Every one of these thirty-two names is built on the word *durga*, “the hard to cross”: a fortress, a danger, a trouble that seems to have no way out. Each name praises the Mother as the one who removes, cuts through, or carries her devotee across such a difficulty.

The names come from the *Tripura Rahasya*, in chapter 46 of its *Mahatmya Khanda*. Gita Press prints them with the *Durga Saptashati*, with a short account: Brahma and the gods worshipped the Goddess, and when she offered them a boon, they asked how she might be quickly pleased and how she protects those in danger. She answered with this garland of her own names. The closing verses are her words, which is why she says “my” names.

Many names recall the demon Durgama. In the *Devi Mahatmya* (chapter 11), the Goddess foretells that she will slay a great demon named Durgama and so become known as Durga.

इन बत्तीसों नामों का आधार “दुर्गा” शब्द है, अर्थात् जिसे पार करना कठिन हो: कोई किला, कोई संकट, या ऐसी कठिनाई जिससे निकलने का रास्ता न दिखे। हर नाम माँ की स्तुति इस रूप में करता है कि वे ऐसी कठिनाई को दूर करती हैं, उसे काटती हैं, या भक्त को उसके पार ले जाती हैं।

ये नाम *त्रिपुरा रहस्य* के माहात्म्य खण्ड के अध्याय 46 से हैं। गीता प्रेस इन्हें *दुर्गा सप्तशती* के साथ एक छोटी कथा सहित छापता है: ब्रह्मा आदि देवताओं ने देवी का पूजन किया, और जब देवी ने वर माँगने को कहा, तो उन्होंने पूछा कि देवी शीघ्र कैसे प्रसन्न होती हैं और संकट में पड़े प्राणियों की रक्षा कैसे करती हैं। उत्तर में देवी ने अपने नामों की यह माला बताई। अंतिम श्लोक देवी के अपने वचन हैं, इसीलिए वे “मेरे” नाम कहती हैं।

कई नाम दुर्गम नामक असुर की याद दिलाते हैं। *देवी माहात्म्य* (अध्याय 11) में देवी कहती हैं कि वे दुर्गम नाम के महान असुर का वध करेंगी और इसी से “दुर्गा” नाम से प्रसिद्ध होंगी।

Deity देवता	Durga	दुर्गा
Spoken by वक्ता	The Goddess herself, to Brahma and the gods	स्वयं देवी, ब्रह्मा आदि देवताओं से
Where it is found स्रोत	<i>Tripura Rahasya</i> , <i>Mahatmya Khanda</i> , chapter 46; printed with the <i>Durga Saptashati</i> by Gita Press	<i>त्रिपुरा रहस्य</i> , माहात्म्य खण्ड, अध्याय 46; गीता प्रेस द्वारा <i>दुर्गा सप्तशती</i> के साथ मुद्रित
Metre छन्द	Anushtubh (four quarters of eight syllables)	अनुष्टुप् (आठ-आठ अक्षरों के चार चरण)
Seer named in the text ऋषि	None is named	पाठ में किसी ऋषि का नाम नहीं

How it is recited पाठ की विधि

The names are read as a hymn, or each is offered with “namah” in worship. The text itself

इन नामों का पाठ स्तोत्र की तरह किया जाता है, या पूजा में हर नाम के साथ “नमः” लगाकर अर्पण किया जाता है। पाठ में कोई निश्चित दिन

gives no fixed day; many households read it during Navaratri or at any time of trouble.

नहीं बताया गया; अनेक घरों में इसका पाठ नवरात्र में या किसी भी संकट के समय किया जाता है।

ASTROSHALA

Verse by verse, with meaning श्लोक, अर्थ सहित

Each verse again, with its pronunciation in Roman letters and its meaning in English and Hindi.

दुर्गा दुर्गार्तिशमनी दुर्गापद्विनिवारिणी ।
दुर्गमच्छेदिनी दुर्गसाधिनी दुर्गनाशिनी ॥ १ ॥

*durgā durgārtiśamanī durgāpadvinivārīṇī |
durgamacchedinī durgasādhinī durganāśinī || 1 ||*

MEANING

Durga; she who calms the pain of hardship; who wards off calamity; who cuts through what is hard to pass; who accomplishes what is hard to achieve; who destroys difficulty.

अर्थ

दुर्गा; कठिनाई की पीड़ा को शांत करने वाली; विपत्ति को दूर करने वाली; दुर्गम बाधाओं को काटने वाली; कठिन कार्य सिद्ध करने वाली; संकट का नाश करने वाली।

दुर्गतोद्धारिणी दुर्गनिहन्त्री दुर्गमापहा ।
दुर्गमज्ञानदा दुर्गदैत्यलोकदवानला ॥ २ ॥

*durgatoddhārīṇī durganihantrī durgamāpahā |
durgamajñānadā durgadaityalokadavānalā || 2 ||*

MEANING

She who lifts up those fallen on hard times; who strikes down difficulty; who takes away what is hard to bear; who gives knowledge that is hard to reach; who is a forest fire to the world of the demon Durga.

अर्थ

दुर्गति में पड़े लोगों का उद्धार करने वाली; संकट का संहार करने वाली; असह्य कष्ट हरने वाली; दुर्लभ ज्ञान देने वाली; दुर्ग नामक दैत्य के लोक के लिए दावानल (वन की आग) के समान।

दुर्गमा दुर्गमालोका दुर्गमात्मस्वरूपिणी ।
दुर्गमार्गप्रदा दुर्गमविद्या दुर्गमाश्रिता ॥ ३ ॥

*durgamā durgamālokā durgamātmasvarūpiṇī |
durgamārgapradā durgamavidyā durgamāśritā || 3 ||*

MEANING

She who is hard to approach; whose vision is hard to gain; whose nature is the Self that is hard to know; who shows the way through hardship; who is knowledge hard to attain; the refuge of those in difficulty.

अर्थ

जिन तक पहुँचना कठिन है; जिनका दर्शन दुर्लभ है; जिनका स्वरूप दुर्ज्ञेय आत्मा है; कठिन मार्ग में राह दिखाने वाली; दुर्लभ विद्या स्वरूपा; संकट में पड़े लोगों का आश्रय।

दुर्गमज्ञानसंस्थाना दुर्गमध्यानभासिनी ।

दुर्गमोहा दुर्गमगा दुर्गमार्थस्वरूपिणी ॥ ४ ॥

*durgamajñānasamsthānā durgamadhyānabhāsinī |
durgamohā durgamagā durgamārthasvarūpiṇī || 4 ||*

MEANING

She who abides in profound knowledge; who shines in deep meditation; whose power of illusion is hard to cross; who goes where none can go; whose form is meaning that is hard to grasp.

अर्थ

गूढ़ ज्ञान में स्थित; गहन ध्यान में प्रकाशित होने वाली; जिनकी माया को पार करना कठिन है; दुर्गम स्थानों तक जाने वाली; गूढ़ अर्थ स्वरूपा।

दुर्गमासुरसंहन्त्री दुर्गमायुधधारिणी ।

दुर्गमाङ्गी दुर्गमता दुर्गम्या दुर्गमेश्वरी ॥ ५ ॥

*durgamāsurasamhantrī durgamāyudhadhārīṇī |
durgamāṅgī durgamatā durgamyā durgameśvarī || 5 ||*

MEANING

Slayer of the demon Durgama; bearer of formidable weapons; she of unfathomable form; she who is held hard to reach; she who is hard to attain; sovereign of all that is beyond reach.

अर्थ

दुर्गम असुर का संहार करने वाली; भयंकर अस्त्र धारण करने वाली; जिनके अंग (स्वरूप) अगम्य हैं; जिन्हें दुर्गम माना गया है; जिन्हें पाना कठिन है; दुर्गम की स्वामिनी।

दुर्गभीमा दुर्गभामा दुर्गभा दुर्गदारिणी ।

नामावलिमिमां यस्तु दुर्गाया मम मानवः ॥ ६ ॥

*durgabhīmā durgabhāmā durgabhā durgadārīṇī |
nāmāvalimimāṃ yastu durgāyā mama mānavaḥ || 6 ||*

MEANING

She who is terrible in the hour of danger; fierce and radiant in it; the light in it; who breaks difficulty apart. (The Goddess now speaks:) Whoever, of humankind, this garland of my names as Durga...

अर्थ

संकट में भयंकर रूप वाली; संकट में तेजस्विनी; संकट में प्रकाश; संकट को विदीर्ण करने वाली। (अब देवी कहती हैं:) जो मनुष्य मुझ दुर्गा की इस नामावली को...

पठेत् सर्वभयान्मुक्तो भविष्यति न संशयः ।

शत्रुभिः पीड्यमानो वा दुर्गबन्धगतोऽपि वा ।

द्वात्रिंशन्नामपाठेन मुच्यते नात्र संशयः ॥ ७ ॥

*paṭhet sarvabhayānmukto bhaviṣyati na saṁśayaḥ |
śatrubhiḥ pīḍyamāno vā durgabandhagato'pi vā |
dvātriṁśannāmapāṭhena mucyate nātra saṁśayaḥ || 7 ||*

MEANING

...recites, will be freed from every fear; of this there is no doubt. Whether troubled by enemies or held in confinement, by reciting the thirty-two names one is set free; of this there is no doubt.

अर्थ

...पढ़ता है, वह सब भयों से मुक्त हो जाता है, इसमें संदेह नहीं। शत्रुओं से पीड़ित हो या बंधन (कारागार) में पड़ा हो, बत्तीस नामों के पाठ से वह छूट जाता है, इसमें संदेह नहीं।

॥ इति दुर्गाद्वात्रिंशन्नामावलिः समाप्ता ॥

|| iti durgādvātriṁśannāmāvaliḥ samāptā ||

Texts referred to संदर्भ ग्रंथ

1. *Tripura Rahasya*, Mahatmya Khanda, chapter 46, verses 93 to 97; *Sri Tripura Rahasya (Mahatmya Khanda)*, Sanskrit text with English translation by T. B. Lakshmana Rao (Sri Kailasamanidweepa Trust).
2. *Durga Saptashati*, Gita Press, Gorakhpur: the Durga Dvātrimshannamamala with its account of the gods' question.
3. *Devi Mahatmya (Markandeya Purana)*, chapter 11: the Goddess foretells the slaying of the demon Durgama and the name Durga.

Not sure which practice suits your chart?

The right hymn, and the right time for it, depends on your own chart and its periods. Ask one focused question and receive a written answer worked out from your birth chart.

आपकी कुंडली के लिए कौन सा पाठ उचित है, यह जानने के लिए अपना एक प्रश्न पूछें।

astroshala.com/product/ask-a-question

Shared for devotion and study. Recitation is traditional practice and carries no promise of a particular result; it is not a substitute for medical, legal, or financial advice. © AstroShala.com

Notes and recitation record टिप्पणी और पाठ का विवरण